शरण में लीजिये | Nisha Soni

बैठे हो क्यों ओ सांवरे हमसे निगाहें फेर कर
कुछ तो इशारा कीजिये
अपने गले लगाइये गलती हमारी भूल कर
अपनी शरण में लीजिये
बैठे हो क्यों ओ सांवरे .....

मेरा वजूद कुछ नहीं तेरे बिना ओ सांवरे
पायी है धूप में सदा मैंने तुम्ही से छाँव रे
बैठे हो क्यों ओ सांवरे .....

कल भी तुम्हारी आस थी अब भी तुम्हारी आस है
जग के गरज में क्यों करूँ जब तू हमारे पास है
बैठे हो क्यों ओ सांवरे .....

पुतले हैं पाप के प्रभु आखिर तो हम इंसान हैं
क्या है गलत और क्या सही माधव हमें ना ज्ञान है
बैठे हो क्यों ओ सांवरे .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a4%b0%e0%a4%a3-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%b2%e0%a5%80%e0%a4%9c%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a5%87-nisha-soni/